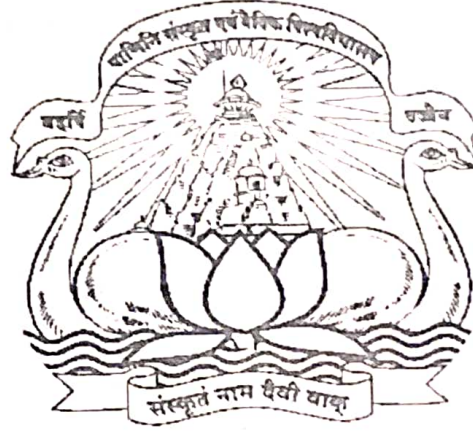


ज्योतिर्विज्ञान  
स्नातक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम  
2023-24



ज्योतिर्विज्ञान विभाग  
महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय  
देवासमार्ग , उज्जैन (म.प्र.) 456010

अणुसङ्केत - [regpsvvp@rediffmail.com](mailto:regpsvvp@rediffmail.com), अन्तर्जालपुट - [www.mpsvv.ac.in](http://www.mpsvv.ac.in)

*[Handwritten signature]*

*[Handwritten mark]*

# महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

## ज्योतिर्विज्ञान

### स्नातक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

#### नियमावली

1. पाठ्यक्रम का उद्देश्य - ज्योतिर्विज्ञान एक प्राचीन भारतीय विज्ञान है। इस विधा का प्रारम्भिक परिचय यथा कुण्डली गणित, फलित, मुहूर्त आदि से परिचित कराकर भारतीय ज्ञान परम्परा से छात्रों को जोड़ना, इस कार्यक्रम का उद्देश्य है।
2. प्रवेश नियम- एक वर्ष के इस पाठ्यक्रम में प्रवेश की अर्हता मध्यप्रदेश शासन द्वारा मान्यता प्राप्त बारहवीं कक्षा (12वीं) या तत्समकक्ष परीक्षा है।
3. परीक्षा योजना-

इस पाठ्यक्रम में चार प्रश्नपत्र होंगे, जिनमें से दो प्रश्नपत्र सैद्धान्तिक तथा दो प्रायोगिक होंगे। परीक्षा का माध्यम हिंदी होगा। परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए प्रतिप्रश्नपत्र 35% अङ्क अपेक्षित हैं।

प्रश्नपत्र क्रमाङ्क	विषय कोड	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम क्रेडिट	प्रति सप्ताह अध्ययन घण्टे	अङ्क
प्रथम (सैद्धान्तिक)		CC1	जन्मपत्री रचना विज्ञान	3	3	100
द्वितीय (सैद्धान्तिक)		CC2	मुहूर्तशास्त्र	3		100
तृतीय		CC3	प्रायोगिक	1	1	100
चतुर्थ		CC4	प्रायोगिक	1		100
			योग	8	4	400

## ELIGIBILITY FOR EXAMINATION:

CONVERSION OF MARKS INTO GRADE AND GRADE POINT			
Latter Grade	Grade Points	Description	Range of Marks (%)
O	10	Outstanding	90 - 100
A+	9	Excellent	80 - 89
A	8	Very Good	70 - 79
B+	7	Good	60 - 69
B	6	Above Average	50 - 59
C	5	Average	40 - 49
P	4	Pass	35 - 39
F	0	Fail	0 - 34
Ab	0	Absent	Absent

Division	Criterion
First Division with Distinction	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree in first attempt with CGPA of 8.00 or above.
First Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 6.50 or above.
Second Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 5.00 or above but less than 6.50 .
Pass Division	The candidate has earned minimum number of credits required for the award of the degree with CGPA of 4.00 or above but less than 5.00

### Equivalent Percentage- CGPAX10

The Maximum Marks per paper is fixed at 100

(If it is less or more than 100, convert it into 100 for grading)

## Cumulative Grade Point Average

Based on the grades obtained in all the subjects registered for by a student, his or her cumulative Grade point Average Semester Grade Point Average (SGPA), Yearly Grade point average (YGPA), and Cumulative Grade Point Average (CGPA) is calculated as follows:

$$\text{SGPA/YGPA/CGPA} = \frac{\Sigma (\text{No. of credits} * \text{Grade Point})}{\Sigma \text{ No. of Credits}}$$

SGPA/YGPA/CGPA is rounded off to the decimal Place.

### 4. उपलब्ध स्थान -

उक्त पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु उपलब्ध स्थान 20 निर्धारित हैं। प्रवेश के लिए उपलब्ध स्थानों पर राज्यशासन के नियमानुसार आरक्षण प्रदान किया जाएगा। अधिक प्रवेशार्थी होने की स्थिति में प्रत्येक सत्र में विश्वविद्यालय प्रशासन से स्थानवृद्धि की स्वीकृति प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

### 5. शुल्क -

छात्रों का प्रवेश शुल्क, परीक्षा तथा अन्य विभिन्न गतिविधियों का शुल्क विश्वविद्यालय के सम्बन्धित अध्यादेश के प्रावधानों के अनुसार निर्धारित किया जाएगा, जिन्हें समय-समय पर आवश्यक होने पर संशोधित किया जा सकेगा।



स्नातक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

ज्योतिर्विज्ञान

प्रथम प्रश्न पत्र - जन्मपत्री रचना विज्ञान

पूर्णांक 100

उद्देश्य-

- ज्योतिष के सामान्य परिचय एवं भेदों से अवगत होंगे।
- काल के भेद एवं साधन प्रक्रिया को जान सकेंगे।
- द्वादश भाव परिचय एवं षड्वर्ग साधन करने में सक्षम होंगे।

इकाई 1	1.1 ज्योतिष शास्त्र का परिचय, स्वरूप एवं क्षेत्र [ ज्योतिष व्युत्पत्ति, परिभाषाएँ एवं भेद (सिद्धान्त, संहिता, होरा) ] 1.2 पञ्चाङ्ग परिचय (तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण)	20
इकाई 2	2.1 राशि / नक्षत्र एवं ग्रह परिचय (राशि एवं ग्रह स्वरूप, ग्रह शत्रु मित्र विचार) 2.2 नवविधकाल, चुट्यादि से ब्रह्मकालमान तक साधन प्रक्रिया 2.3 इष्टकाल साधन, देशान्तर साधन 2.4 पलभा साधन, नक्षत्रकाल साधन, सूर्योदयास्त साधन	20
इकाई 3	3.1 लग्न एवं दशम लग्न साधन 3.2 षड्वर्ग साधन (गृह, हारा, द्रेष्काण, नवमांश, द्वादशांश एवं त्रिंशांश) 3.3 द्वादश भाव स्पष्टीकरण, भयात-भभाग साधन एवं विशोत्तरी दशान्तर्दशा साधन	20
इकाई 4	4.1 द्वादश भाव परिचय (विचारणीय विषय एवं संज्ञाएँ) 4.2 ग्रहों के उच्च-नीच, ग्रह एवं राशि बल 4.3 ग्रह भावफल निरूपण	20

	4.4 संज्ञाध्याय (लघुपाराशरी अध्याय-1)	
इकाई 5	5.1 विविध योग निरूपण (लघुजातकम् अध्याय 07-08-12 एवं 13)	20

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. भारतीय ज्योतिष, नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ ।
2. लघुजातकम्, डॉ. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी द्वारा सम्पादित, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
3. लघुपाराशरी, टीकाकार एवं सम्पादक डॉ. सुरकान्त झा, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
4. जन्मपत्री रचना विज्ञान- डॉ. शुभम् शर्मा, डॉ. विजयकुमार, डॉ. विनोदकुमार पाण्डेय, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक

विश्वविद्यालय, उज्जैन, 2020

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

- |                      |                    |
|----------------------|--------------------|
| 1 बहुविकल्पीयप्रश्न  | $2 \times 5 = 10$  |
| 2 लघूत्तरीयप्रश्न    | $6 \times 5 = 30$  |
| 3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न | $12 \times 5 = 60$ |





स्नातक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम

ज्योतिर्विज्ञान

द्वितीय प्रश्न पत्र - मुहूर्तशास्त्र

पूर्णांक 100

उद्देश्य-

- मुहूर्त पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
- व्रतोत्सव एवं विवाहादि प्रकरण में तिथ्यादि निर्णय में सक्षम होंगे।
- मुहूर्त के व्यावहारिक पक्ष का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

इकाई 1	1.1 शुभाशुभयोग निरूपण (मुहूर्त चिन्तामणि अध्याय 01) 1.2 मुहूर्त में नक्षत्रविचार (मुहूर्त चिन्तामणि अध्याय 02 से नक्षत्र स्वामी, ध्रुवादि संज्ञा, वस्त्र धारण, अन्धादि संज्ञा, लग्न शुद्धि, होमाहुति, अग्निवास, प्रेतदाह, मूलविचार, जलाशय तथा देवप्रतिष्ठा)	20
इकाई 2	2.1 ग्रह गोचर एवं संस्कार प्रकरण (मुहूर्त चिन्तामणि अध्याय 04 एवं 05) अष्टकूट एवं विवाह मुहूर्त (तिथि-वार-नक्षत्र-योग-करण एवं दोष विचार)	20
इकाई 3	3.1 विवाह प्रकरण (मुहूर्त चिन्तामणि अध्याय 06)	20
इकाई 4	4.1 संवत्सरविमर्श (बृहत् संहिता ग्रहवर्षफलाध्याय, बृहस्पतिचाराध्याय) 4.2 संवत् परिचय (सृष्ट्यादि, मन्वादि, युधिष्ठिर, कलि, विक्रम, शालिवाहन, जूलियन, ग्रेगोरियन)	20
इकाई 5	5.1 व्रतोत्सव, पर्व, तिथि, सूतक तथा श्राद्ध निर्णय ज्योतिर्विदाभरण- अध्याय 21 कालनिर्णय प्रकरण तिथि निर्णय के प्रमुख सिद्धांत एवं विशिष्ट तिथि पर्व निर्णय	20





--	--	--

सन्दर्भ ग्रन्थ-

1. मुहूर्तचिन्तामणि, श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी।
2. बृहत्संहिता, अच्युतानन्द झा, चौखम्भा विद्याभवन प्रकाशन
3. ज्योतिर्विदाभरण- कालिदास, व्याख्या - प्रो. रामचंद्र पाण्डेय, मोतीलाल वाराणसी दास, वाराणसी,
4. भारतीय ज्योतिष, शंकरबालकृष्ण दीक्षित, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ,
5. तिथि निर्णय के प्रमुख सिद्धांत एवं विशिष्ट तिथि पर्व निर्णय, डॉ. विकास शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
6. मुहूर्तशास्त्र- डॉ. शुभम् शर्मा, डॉ. विजयकुमार, डॉ. विनोदकुमार पाण्डेय, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन,

2020

अङ्कविभाजन

प्रत्येक इकाई से निम्नलिखित व्यवस्थानुसार प्रश्न होंगे -

- |                      |                    |
|----------------------|--------------------|
| 1 बहुविकल्पीयप्रश्न  | $2 \times 5 = 10$  |
| 2 लघूत्तरीयप्रश्न    | $6 \times 5 = 30$  |
| 3 दीर्घोत्तरीयप्रश्न | $12 \times 5 = 60$ |



स्नातक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम  
ज्योतिर्विज्ञान  
तृतीय प्रश्नपत्र  
जन्मपत्रिका से सम्बन्धित प्रायोगिक कार्य

पूर्णाङ्क 100

स्नातक पत्रोपाधि पाठ्यक्रम  
ज्योतिर्विज्ञान  
चतुर्थ प्रश्नपत्र  
मुहूर्तशास्त्र से सम्बन्धित प्रायोगिक कार्य

पूर्णाङ्क 100



